करों का वर्गीकरण
(CLASSIFICATION OF TAXATION)

परिचय (INTRODUCTION)

साधारणतः कर सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा लगाया गया अनिवार्य अंशदान है। करदाता को भुगतान के बदले में कोई प्रत्यक्ष सेवा नहीं मिलती। दूसरे शव्दों में करदाता और सार्वजनिक प्राधिकरण के मध्य कोई प्रत्यक्ष लेन देन का सम्बन्ध नहीं होता। कर सरकार की आय का मुख्य साधन हैं। विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने करों को विभिन्न प्रकार से श्रेणीबद्ध करने का प्रयत्न किया है। करों को उनके स्वरुप, प्रकृति, मात्रा और करारोपण के तरीके के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

करों का वर्गीकरण (CLASSIFICATION OF TAXES)

निम्नलिखित चार्ट से करों के वर्गीकरण को समझा जा सकता है।

1. स्वरुप के आधार पर
- 1. प्रत्यक्ष कर
- 2. परोक्ष कर

2. प्रकृति के आधार पर
- 1. आय कर
- 2. सम्पत्ति कर
- 3. उत्पादन पर कर
- 4. उपभोग पर कर
- 5. पूंजीगत वस्तुओं पर कर
- 6. उपभोक्ता वस्तुओं पर कर

3. मूल तत्व के आधार पर
- 1. मूल्यानुसार कर
- 2. विशिष्ट कर

4. मात्रा के आधार पर
- 1. एकल कर
- 2. बहुकर

5. तरीके के आधार पर
- 1. आनुपातिक कर
- 2. प्रगतिशील कर
- 3. प्रतिगामी कर
- 4. अवक्रमी कर अधोगामी कर

Scanned with CamScanner